HOW'S THE JOSH

सर्जिकल स्ट्राइक के बाद एक बार फिर दिखी सख्त फैसले लेने वाली छवि | PM मोदी ने 14 दिन, लगभग 50 मीटिंग करने के बाद लिया हमले का फैसला | इस हमले के बाद फिर स्थापित होगी पीएम मोदी की मजबूत नेता की छवि

दुश्मनों को घर में घुसकर मारने की पावरफुल इमेज की दिखी झलक

अहम मीटिंग: प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को कैबिनेट मीटिंग में हमले के बारे में जानकारी दी।

Narendra.Mishra@timesofindia.com

जब 22 अप्रैल को पहलगाम में हाल के समय का सबसे बड़ा आतंकी हमला हुआ, तभी से तय माना जा रहा था कि नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में भारत सरकार सख्त प्रहार करेगी। इसके अलावा सरकार के पास कोई विकल्प भी नहीं था। सामरिक चुनौती होने के बावजूद हमले का जवाब देना इसलिए भी जरूरी था क्योंकि पिछले 11 साल में ब्रैंड मोदी के लगातार मजबूत रहने और उनकी राजनीतिक ताकत के पीछे उनकी यह छवि रही है वह दुश्मनों को घर में घुस कर मारते हैं। उड़ी हमले के बाद 2016 में हुई सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर पहलगाम आतंकी हमले के बाद बुधवार को हुए मिसाइल स्ट्राइक तक नरेन्द्र मोदी ने अपनी यह छवि बनाए रखी, जो उनकी सबसे मजबूत सियासी ताकत भी रही है।

2016 में बदल गई थी राजनीति

अक्टूबर 2016 को भारत ने उड़ी हमले का बदला पाकिस्तान की सीमा पार सर्जिकल स्ट्राइक कर आतंकी ठिकानों को नष्ट कर लिया। फिर 2019 में पुलवामा में आतंकी हमले का बदला बालाकोट एयर स्ट्राइक कर ली। इन दोनों घटनाओं ने भारत देश की सियासत में नए तरह के राष्ट्रवाद का जन्म दिया। 2019 का आम चुनाव तो पूरी तरह इसी के इर्द-गिर्द रहा। 'घर में घुस कर मारा', इस नारे को नए भारत की पहचान देने की कोशिश की गई। फिर बाद में गलवान की घटना ने इस भावना को और बढ़ाया। इसका असर कई स्तर तक देखा गया।

नए राष्ट्रवाद का लाभ मिला

2014 के बाद आए तमाम ओपनियन पोल में भी यह बात साबित हुई कि देश में लोगों के बीच राष्ट्रवाद सबसे बड़ा मुद्दे बन कर सामने आए हैं। इन सर्वे में राष्ट्रीय सुरक्षा आम लोगों के बीच वोटिंग करने के लिए सबसे बड़े मुद्दे के रूप में सामने आई जबकि उससे पहले अमूमन चुनावों के दौरान प्राथमिकता में यह पहले दस मुद्दों में भी शामिल नहीं होते रही है। जाहिर है राष्ट्रवाद की लौ जलाए रखने का दबाव भी पीएम मोदी पर भी बढ़ा।

आपॅरेशन सिंदूर के बाद कश्मीरी गेट पर यह बच्ची एक पोस्टर के साथ नजर आई, जिसके जरिए बता रही हैं कि यह नया इंडिया है। घर में घुसकर मारता है।

इसीलिए संयम से लिया काम

ऐसे में नरेन्द्र मोदी सहित सरकार से जुड़े तमाम लोगों ने स्पष्ट संदेश दे दिया था कि कुछ तो बड़ा होगा। जानकारों के अनुसार, पहलगाम आतंकी हमले के बाद कड़ा एक्शन लेना एक तरह से सियासी विकल्प नहीं, बल्कि मजबूरी थी। पीएम मोदी को पता था कि ऐसे ऐक्शन झटके या भावनाओं में नहीं होते। सूत्रों के अनुसार, 22 अप्रैल के बाद मिसाइल स्ट्राइक को अंजाम देने तक पीएम मोदी ने लगभग 50 मीटिंग की। ऐसे हमलों के बाद कितने हालात उपज सकते हैं। इन पर सभी मंत्रालयों से अलग-अलग मीटिंग की। सरकार के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि जहां तक सफल और कड़ी स्ट्राइक मंजिल थी, वहीं यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि इस पराक्रम के बीच आम जनों को कोई दिक्कत नहीं हो, न अपने देश में न पड़ोसी देश में। इन तमाम पहलुओं को देखते हुए पीएम मोदी ने 14 दिन, लगभग 50 मीटिंग करने के बाद स्ट्राइक की हैट्रिक मारी।

उस दिन भी चौंकाया था

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पीएम मोदी ने उस दिन चौंकाया था, जब कैबिनेट मीटिंग में अचानक से जाति जनगणना कराने का फैसला लिया। तब टाइमिंग पर सवाल उठे। बुधवार को सरकार को करीब से जानने वाले एक सीनियर व्यक्ति ने बताया कि इस टाइमिंग के पीछे दोहरा उद्देश्य था। पीएम ने कब और कैसे हमला होगा, इसके लिए आकलन करना इसके बाद और कठिन कर दिया। साथ ही कम समय में ही उन्होंने उन लोगों को भी साध लिया जो सरकार के उस फैसले से असहज महसूस कर रहे थे।

आगे की राह पर रहेगी नजर

जाहिर है पीएम मोदी की मजबूत नेता की छवि फिर स्थापित होगी और बीजेपी इसका राजनीतिक रूप से लाभ उठाना चाहेगी। ऐसे में आगे बीजेपी इस सफलता को किस तरह आगे बढ़ाएगी, यह देखना दिलचस्प होगा।

शाह ने बुलाई मुख्यमंत्रियों की आपात बैठक, बढ़ेगी सख्ती

Maneesh.Aggarwal@timesofindia.com

नई दिल्ली: पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक करने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को दिल्ली में पाकिस्तान और नेपाल के सीमावर्ती राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा बैठक की। बैठक में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के उपराज्यपाल और उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, गुजरात और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री और सिक्किम सरकार के प्रतिनिधि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

मंत्रालय ने बताया कि बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, आईबी डायरेक्टर, BSF और CISF के डीजी समेत अन्य एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन, सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच समन्वय को और बेहतर किया जाए।

बॉर्डर वाले सोशल मीडिया से बचें

पाकिस्तान बॉर्डर के पास रहने वाले लोगों को पुलिस और सुरक्षाबलों द्वारा देशहित में कहा जा रहा है कि वह किसी भी तरह की सुरक्षा तैनाती, ऑपरेशनल मूवमेंट या संवेदनशील स्थानों से संबंधित कोई भी फोटो, विडियो या अन्य किसी तरह की सामग्री सोशल मीडिया या आपस में ही बनाए गए किसी भी ग्रुप पर सर्कुलेट न करें। जम्मू-कश्मीर में उधमपुर पुलिस ने कहा है कि अगर किसी ने इस तरह से देश की सुरक्षा को ताक पर रखते हुए सुरक्षाबलों की तैनाती और अन्य जानकारी किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर की तो कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है।

आगे की भी है तैयारी, हर हलचल पर कड़ी नज़र

सोशल मीडिया पर निगाह
सोशल मीडिया और अन्य मीडिया प्लेटफॉर्म में अवांछनीय तत्वों द्वारा देश विरोधी दुष्प्रचार पर कड़ी नजर रखी जाए।

बंकरों में शिफ्ट होंगे लोग
गृह मंत्री शाह ने कहा है कि पाकिस्तानी सीमा से लगते गांवों के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। जरूरत के मुताबिक उन्हें बंकरों में शिफ्ट किया जाए।

जवानों की छुट्टियां कैंसल
हमले के बाद सभी अर्धसैनिक बलों के जवानों की छुट्टियां कैंसल कर दी गई हैं। छुट्टियों पर गए जवानों को भी तत्काल प्रभाव से वापस बुलाने के आदेश दिए गए हैं।

कश्मीर पर नज़र
गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तानी सीमा के नजदीक रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए।

पूरे देश में अलर्ट
गृह मंत्रालय ने देश के सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और डीजीपी से दिल्ली समेत पूरे देश में अलर्ट रहने के लिए कहा है। हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी।

रिट्रीट सेरेमनी कैंसल
भारत-पाकिस्तान के वाघा बॉर्डर, फिरोजपुर में हुसैनीवाला और फाजिल्का के सादकी बॉर्डर पर हर शाम होने वाली रिट्रीट सेरेमनी को 7 मई की शाम को कैंसल कर दिया गया। आगे के लिए फैसला बाकी है।

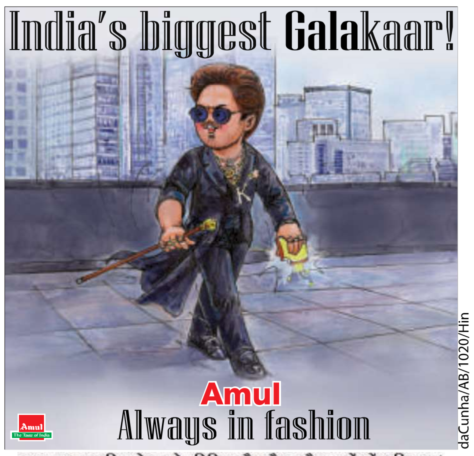

शाहरुख खान दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और ग्लैमरस फैशन इवेंट में शामिल हुए!

सोच-समझकर सधे हुए तरीके से की पूरी कार्रवाई: रक्षा मंत्री

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सेना ने सटीकता, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि हमने जो लक्ष्य तय किए थे, उन्हें ठीक तय योजना के अनुसार सटीकता से ध्वस्त किया है। किसी भी नागरिक आबादी को प्रभावित नहीं होने दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने हनुमान जी के उस आदर्श का पालन किया है, जो उन्होंने अशोक वाटिका उजाड़ते समय किया था 'जिन मोहि मारा, तिन मोहि मारे' यानी केवल उन्हीं को मारा, जिन्होंने हमारे मासूमों को मारा। सेनाओं ने आतंकियों को ट्रेनिंग देने वाले कैंप्स को तबाह करके करारा जवाब दिया है।

सेना के शौर्य और साहस को सलाम: BJP

> सेना के शौर्य और साहस को सलाम। भारत आतंकवाद को उसकी जड़ से उखाड़ फेंकने में सक्षम भी है और संकल्पबद्ध भी है। *–जेपी नड्डा*

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: बीजेपी ने सेना के शौर्य और साहस को सलाम किया है। बीजेपी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि भारत आतंकवाद को उसकी जड़ से उखाड़ फेंकने में सक्षम भी है और संकल्पबद्ध भी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सेना के शौर्य और साहस को सलाम करते हुए कहा कि पहलगाम का बदला पूरा हुआ। अपनी बहनों के सिंदूर का बदला भारत ने ऑपरेशन सिंदूर से लिया है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा सक्षम, सशक्त, सामर्थ्यवान और शक्तिशाली भारत है। आज का भारत अपनी रक्षा करना भी जानता है और मुंहतोड़ जवाब देना भी जानता है।

प्रधान ने कहा कि देश ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की प्रतिबद्धता को एक बार फिर साबित किया है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा जो कायराना घटना की गई, उसका भारत की सेना ने जवाब दिया है। आज ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकियों के ठिकानों को नष्ट करने का काम भारत की सेना ने किया है।

हमले के बाद दिल्ली में सियासी गतिविधियां हुईं तेज़, राष्ट्रपति से भी मिले मोदी

विपक्ष ने सेना को कहा सलाम, आज की मीटिंग में PM से भी आने की अपील

Manjari.Chaturvedi@timesofindia.com

नई दिल्ली: ऑपरेशन 'सिंदूर' को लेकर जहां समूचे विपक्ष सहित पूरा देश सरकार और सेना के साथ खड़ा नजर आया। बुधवार को पूरा दिन सियासी गतिविधियों के नाम रहा। इस ऑपरेशन को लेकर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों से जुड़ी कैबिनेट कमिटी (CCS) की बैठक हुई। पीएम मोदी ऑपरेशन सिंदूर के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को सारी जानकारी देने रायसीना हिल्स पहुंचे। पीएम मोदी ने वक्त की नजाकत को ध्यान में रखते हुए अपना तीन देशों का दौरा फिलहाल रद्द कर दिया। वह तीन यूरोपीय देशों नीदरलैंड्स, क्रोएशिया और नॉर्वे के दौरे पर जाने वाले थे, जहां वह द्विपक्षीय बैठकों और कई अहम मीटिंगों में शिकरत करने वाले थे।

पीएम मोदी ने बुधवार को CCS की बैठक में पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की वहां मौजूद सभी लोगों को जानकारी दी। बैठक में उन्होंने भारतीय सेना द्वारा चलाए गए सैन्य अभियान की सराहना करते हुए इसे गर्व का पल करार दिया। बैठक शुरू होने पर सबसे पहले पीएम मोदी के सहयोगियों ने पीएम को 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए बधाई दी। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में बताया गया कि भारतीय सेना ने तैयारी के अनुसार बिना किसी गलती के कार्रवाई को अंजाम दिया। केंद्रीय कैबिनेट के सभी मंत्रियों ने पीएम मोदी के नेतृत्व के प्रति विश्वास जताते हुए कहा कि पूरा देश उनके साथ है।

> पीएम मोदी पूरी रात जागते हुए ऑपरेशन की जानकारी और जायजा लेते रहे

कहा जा रहा है कि इस पूरे ऑपरेशन पर गहरी नजर रखने के लिए पीएम मोदी पूरी रात जागते हुए ऑपरेशन और उसके बाद स्थितियों की जानकारी और जायजा लेते रहे। वह रातभर NSA और सुरक्षा अधिकारियों के संपर्क में थे और पल-पल की जानकारी ले रहे थे। CCS की बैठक के बाद पीएम मोदी ने इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी देने राष्ट्रपति भवन पहुंचे, जहां उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस मुलाकात के बारे में राष्ट्रपति भवन के सोशल मीडिया पर जानकारी दी गई।

कांग्रेस ने अचानक बुलाई मीटिंग

ऑपरेशन सिंदूर के बाद कांग्रेस ने तत्काल बुधवार को अपने सीनियर नेताओं की एक अनौपचारिक बैठक बुलाई, जहां पार्टी ने एकसुर में भारतीय सेना के शौर्य और बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ कांग्रेस पूरी एकजुटता से भारतीय सेना व सरकार के साथ खड़ी है। पार्टी ने उम्मीद जताई कि पीएम मोदी कम से कम ऑपरेशन सिंदूर के आज होने वाली सर्वदलीय बैठक में जरूर शामिल होंगे।

हमें अपनी सेना पर गर्व: राहुल

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने X पर लिखा कि हम अपनी सेना पर गर्व करते हैं। जय हिंद। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पाकिस्तान और POK से पैदा होने वाले आतंकवाद के हर स्वरूप के लिए भारत की एक दृढ़ राष्ट्रीय नीति है। हम पाकिस्तान और POK में आतंकी ठिकानों पर सेना के हमले पर गर्व करते हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि हमारी सेना पर हमें अत्यंत गर्व है। हमारे बहादुर जवान हमारी स्वतंत्रता और अखंडता को सुरक्षित रखते हैं।

आज सुबह 11 बजे संसद परिसर में होगी सर्वदलीय बैठक

इस पूरे घटनाक्रम पर सरकार की ओर से आज गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। यह बैठक सुबह 11 बजे संसद परिसर में होगी। सूत्रों के मुताबिक, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सहित वरिष्ठ मंत्री मौजूद होंगे। बैठक का एजेंडा विपक्षी नेताओं को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी देने पर केंद्रित है। हालांकि पिछली बैठक में पीएम मोदी शामिल नहीं हुए थे। इससे पहले पहलगाम हमले के फौरन बाद सरकार ने सभी दलों को बुलाकर हमले की जानकारी दी थी।

विपक्ष ने भी किया स्वागत, सेना की तारीफ में बोले नेता

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और UP के पूर्व सीएम **अखिलेश यादव** ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि "पराक्रमो विजयते!"

NCP-SP के मुखिया **शरद पवार** ने कहा कि सशस्त्र बलों के इस वीरतापूर्ण कार्य पर गर्व है। हर भारतीय को सेना पर पूरा विश्वास है।

तमिलनाडु के सीएम **एमके स्टालिन** ने कहा कि तमिलनाडु आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सेना के साथ खड़ा है। अपनी सेना के साथ, अपने देश के लिए। तमिलनाडु अडिग है।

आम आदमी पार्टी के संयोजक **अरविंद केजरीवाल** ने सेना के साहस की तारीफ करते हुए कहा कि हमें भारतीय सेना और अपने वीर जवानों पर गर्व है।

Reliance
Industries Limited
Growth is Life

पंजीकृत कार्यालय: ३री मंजिल, मेकर चेंबर्स ४, २२२, नरीमन पॉइंट, मुंबई – ४०० ०२१
फ़ोन: +९१-२२-३५५५ ५००० • फ़ैक्स: +९१-२२-२२०४ २२६८ • ई-मेल: investor.relations@ril.com
CIN: L17110MH1973PLC019786

सूचना

(कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों के लिए)

विषय: कंपनी के इक्विटी शेयरों का निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष प्राधिकरण में हस्तांतरण

यह सूचना निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष प्राधिकरण (लेखांकन, लेखा परीक्षण, हस्तांतरण और धन वापसी) नियम, २०१६, और इसके संशोधनों (''नियम'') के अनुसार प्रकाशित की जा रही है।

अन्य मामलों के बीच, इन नियमों में, सभी शेयर जिनके संबंध में लगातार सात साल या उससे अधिक के लिए लाभांश का भुगतान या दावा नहीं किया गया ऐसे सभी शेयरों के निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (''आईईपीएफ'') प्राधिकरण के नाम पर हस्तांतरण का प्रावधान है।

नियमों में बताई गयी विभिन्न आवश्यकताओं का पालन करते हुए कंपनी अभी तक संबंध नियत तिथियों पर आईईपीएफ प्राधिकरण को सभी ऐसे शेयर्स हस्तांतरित कर चुकी हैं, जिनके वित्त वर्ष २०१६-१७ या उसके पहले के लाभांश का भुगतान लगातार सात या अधिक वर्षों से बकाया है या उनपर कोई दावा नहीं किया गया है। कंपनी ने दिनांक ७ मई, २०२५ के अपने पत्र के माध्यम से उन सभी शेयरधारकों को उचित कारवाई के लिए व्यक्तिगत रूप से सूचित किया है, जिनके शेयर वित्त वर्ष २०२५-२६ में आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित किये जाने वाले हैं।

कंपनी ने ऐसे शेयरधारकों और आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरण किए जाने वाले शेयरों की पूरी जानकारी अपनी वेबसाइट **www.ril.com** पर अपलोड कर दी है। शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे बेदावा लाभांश के विवरण और शेयर्स जो आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित होने हैं उनकी जानकारी की पुष्टि करने के लिए वेब लिंक **https://www.ril.com/investors/shares/dividend-shares** देखें।

शेयरधारक ध्यान दे कि नियमों द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने के बाद, शेयरधारक बेदावा लाभांश और शेयर दोनों जो आईईपीएफ प्राधिकरण में हस्तांतरित किए हैं, इस तरह के शेयरों पर एकत्रित सभी लाभों सहित, यदि कोई हो, तो आईईपीएफ प्राधिकरण से वापस दावा कर सकते हैं।

संबंधित शेयरधारक, जो फिजिकल रूप में शेयर्स धारण करते है और जिनके शेयर्स आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित होने वाले हैं, वे ध्यान दे कि नियमों के अनुसार कंपनी डीमैटरियलाइज करने के उद्देश्य से और आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरण करने के उद्देश्य से उनके द्वारा धारण किए मूल शेयर प्रमाणपत्र के एवज में नये शेयर प्रमाणपत्र जारी करेगी जिनके कारण मूल शेयर प्रमाणपत्र जो उनके नाम पर पंजीकृत हैं वे स्वयंमेव रद्द हो जाएंगे तथा गैर-परक्राम्य मान लिए जाएंगे। शेयरधारक आगे ध्यान दें कि कंपनी द्वारा अपनी वेबसाइट पर अपलोड किये गये विवरण को इन नियमों के अनुसार आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरण के प्रयोजन के लिए कंपनी द्वारा जारी किए जाने वाले नये शेयर प्रमाणपत्र के लिए पर्याप्त सूचना माना जायेगा।

यदि कंपनी ४ अगस्त, २०२५ या उससे पहले संबंधित शेयरधारकों से कोई भी संवाद (बेदावा लाभांश/न भुनाया हुआ लाभांश) प्राप्त नहीं करती है, तो कंपनी नियमों में निर्धारित आवश्यकताओं का अनुपालन करने के दृष्टिकोन के साथ, कॉर्पोरेट कार्रवाई के माध्यम से शेयरों को डीमटेरियलाइज़ कर आईईपीएफ़ प्राधिकरण को हस्तांतरित कर देगी।

यदि शेयरधारकों को इस विषय पर या नियमों पर कोई प्रश्न है तो वे, **केफ़िन टेक्नोलॉजीस् लिमिटेड (युनिट: रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड)**, कंपनी के रेजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजंट से, पता: सेलेनियम टॉवर बी, प्लॉट नं. ३१-३२, गचिबोवली, फाइनैंशियल डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रमगुडा, हैदराबाद – ५०० ०३२; टोल फ्री नं.: १८००-३०९-४००१. (सभी कार्य दिवसो पर सुबह ९:०० बजे (भारतीय समयानुसार) से शाम ६:०० बजे (भारतीय समयानुसार), ई-मेल: rilinvestor@kfintech.com, वेबसाइट: www.kfintech.com यहां संपर्क करें।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के लिए
हस्ताक्षरी/-
साविथ्री पारेख
कंपनी सेक्रेटरी
और कंप्लायन्स ऑफीसर

स्थान : मुंबई
दिनांक : ८ मई, २०२५

www.ril.com